Class 6

Hindi

Chapter 4

हम पंछी उन्मुक्त गगन के पंछी उन्मुक्त गगन के कवि शिवमंगल सिंह सुमन है। खुले आकाश में पंख फैलाए उड़ते पक्षियों के मनोरम दृश्यों को देखकर कवि का मन रोमांचित हो उठता है और उनका कहना है कि स्वतंत्रता सबको प्यारी है स्वतंत्रता के प्रति उदासीन रखने वाले लोगों की आंखें खोलती है या कविता। पंछी खुले आकाश में उड़ते हैं उन्हें स्वतंत्रता प्यारी है ना कि सोने चांदी के पिंजरे। वह बहता जल पीने वाले हैं उन्हें सोने की कटोरी में भोजन करना पसंद नहीं है उड़ते उड़ते वृक्ष की टहनी पर बैठकर अनार के दाने चुगना। पक्षियों का कहना है कि घोंसला के लिए पहनी ना दो लेकिन पंख दिए हैं तो मुझे खुले आकाश में उड़ने दो।